

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3003
13 अगस्त, 2026 को उत्तर के लिए निर्धारित

इंस्पायर कार्यक्रम

3003 डॉ. रामराव सखाराम वडकुते:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) पिछले पांच वर्षों में अभिप्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान की खोज में नवाचार (इंस्पायर) कार्यक्रम के अंतर्गत क्या प्रगति हुई है, जिसमें सहायता प्राप्त छात्रों और युवा शोधकर्ताओं की घटक-वार संख्या शामिल है;
- (ख) क्या सरकार मेधावी छात्रों को विज्ञान में उच्च शिक्षा और अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करने हेतु इस कार्यक्रम को सुदृढ़ करने का विचार रखती है;
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (घ) कार्यक्रम के तहत पहुंच और भागीदारी को बेहतर बनाने के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण, दूरदराज और आकांक्षी जिलों में, क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (ग): विगत पांच वर्षों के दौरान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अभिप्रेरित अनुसंधान हेतु विज्ञान की दिशा में नवोन्मेष (इंस्पायर) कार्यक्रम ने अपने चार प्रमुख घटकों के माध्यम से शैक्षणिक और अनुसंधान क्षेत्र की विभिन्न अवस्थाओं में वैज्ञानिक प्रतिभाओं का सुव्यवस्थित रूप से विकसित एवं प्रोत्साहित किया है। इंस्पायर मानक (राष्ट्रीय आकांक्षाओं और ज्ञान का संवर्धन करती लाखों प्रतिभायें) 10-17 वर्ष (कक्षा VI-XII) की आयु वर्ग के छात्रों को अपने मौलिक विचारों और नवाचारों को विकसित करने और प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करके उनमें नवाचार और वैज्ञानिक रचनात्मकता को बढ़ावा देता है। उच्च शिक्षा के लिए इंस्पायर छात्रवृत्ति (शी) के अंतर्गत, प्राकृतिक और मूलभूत विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर अध्ययन कर रहे 17-22 वर्ष की आयु वर्ग के प्रतिभाशाली छात्रों को प्रतिवर्ष 80,000 रुपये की दर से 12,000 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इंस्पायर अध्येतावृत्ति मेधावी स्नातकों और इंस्पायर अध्येताओं को पांच वर्षों तक वित्तीय सहायता प्रदान करके पूर्णकालिक पीएचडी कार्यक्रमों के माध्यम से अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिसमें जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के रूप में 37,000 रुपये प्रति माह और सीनियर रिसर्च फेलोशिप (एसआरएफ) के रूप में 42,000 रुपये प्रति माह तथा स्वीकार्य मकान किराया भत्ता (एचआरए) और 20,000 रुपये प्रति वर्ष का प्रासंगिक अनुदान भी शामिल है। इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति, आम तौर पर 27-32 वर्ष की आयु के (आरक्षित श्रेणियों के लिए लागू आयु-सीमा में छूट के साथ) उत्कृष्ट पोस्ट-डॉक्टरल अनुसंधानकर्ताओं को पांच वर्ष की अध्येतावृत्ति के माध्यम से सहायता प्रदान करती है। अध्येताओं को अध्येतावृत्ति की अवधि के दौरान हर माह 1,25,000 रुपये की राशि, 2,000 रुपये की वार्षिक वृद्धि तथा शोध कार्य के लिए 35 लाख रुपये का अनुसंधान अनुदान प्राप्त होता है।

सरकार अभिप्रेरित अनुसंधान हेतु विज्ञान की दिशा में नवोन्मेष (इंस्पायर) कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि मेधावी छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने और अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। विगत पाँच वर्षों के दौरान घटक-वार इंस्पायर गतिविधियाँ तथा प्रत्येक घटक के अंतर्गत सहायता प्राप्त छात्रों और युवा शोधकर्ताओं की संख्या का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

कार्यक्रम/वित्तीय वर्ष	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26
इंस्पायर-मानक	52720	43381	46926	50009	49805
इंस्पायर-शी	18039	19771	18236	20354	24276
इंस्पायर अध्येतावृत्ति	2768	2872	2811	2448	3364
इंस्पायर संकाय अध्येतावृत्ति	474	338	299	225	477

देश की युवा पीढ़ी द्वारा नवाचारी अनुसंधान को प्रोत्साहित एवं सुदृढ़ करने के उद्देश्य से इन घटकों के प्रभाव की निरंतर निगरानी एवं विश्लेषण किया जा रहा है, ताकि इनके रणनीतिक योजना-निर्माण को सुगम बनाया जा सके।

(घ) सरकार ने इंस्पायर कार्यक्रम की जागरूकता और समावेशिता का बड़े स्तर पर विस्तार करने के लिए कई लक्षित क्रियाकलापों की श्रृंखला का संचालन किया है, जिनमें देश भर के ग्रामीण, दूर-दराज़ के और आकांक्षी ज़िलों पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन प्रयासों में राज्य शिक्षा विभागों, ज़िला शिक्षा अधिकारियों, विद्यालयों और डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए सूचना का व्यापक और गहन प्रसार शामिल है; साथ ही, नामांकनों की गुणवत्ता और पहुँच को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों और विद्यालय प्राधिकारियों के लिए जागरूकता अभियान, अभिमुखीकरण कार्यक्रम, वेबिनार और क्षमता-वर्धन कार्यशालाएँ आयोजित करना भी इसमें शामिल है; तथा विद्यालयी छात्रों के बीच नवाचारों की पहचान करने, उन्हें मान्यता देने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए ज़िला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों एवं परियोजना प्रतियोगिताओं (डीएलईपीसी, एसएलईपीसी और एनएलईपीसी) का आयोजन किया जाता है। नवाचार पारितंत्र को और सुदृढ़ करने के लिए, आईआईटी, एनआईटी, आईआईएसईआर जैसे प्रमुख संस्थानों और अन्य अग्रणी वैज्ञानिक संगठनों के साथ मिलकर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें चयनित छात्रों को प्रोटोटाइप विकास, नवाचार और वैज्ञानिक अनुसंधान के बारे में मार्गदर्शन दिया गया है। इन निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों और हमारे समाज के सभी वर्गों के लोगों की इन कार्यक्रमों में समावेशी भागीदारी सुनिश्चित हो सकी है।

ग्रामीण और दूर-दराज़ के ज़िलों से आने वाले छात्र बढ़ती संख्या में नवाचार अनुदान, परामर्श सहयोग तथा राष्ट्रीय मंचों पर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा के प्रदर्शन के अवसरों से लाभान्वित हुए हैं। समग्र रूप से, इन पहलों ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जिज्ञासा की संस्कृति को सुदृढ़ किया है, ज़मीनी स्तर पर नवाचारों को प्रोत्साहित किया है, विज्ञान शिक्षा, छात्रवृत्तियों और शोध अध्येतावृत्तियों तक समान और न्यायसंगत पहुँच का विस्तार किया है तथा देश के अधिकांश क्षेत्रों से आने वाली युवा वैज्ञानिक प्रतिभाओं की श्रृंखला को व्यापक बनाया है।
